बालकृष्ण भट्ट और रामविलास शर्मा की उपनिवेशविरोधी दृष्टि

शिवाजी

बालकृष्ण भट्ट भारतेन्दु युग के एक सशक्त निबन्धकार हैं। उनके निबन्धों में समाज के विभिन्न स्वरूप मौजूद है। उनके आलोचनात्मक निबन्ध तो अपने समय के और एक हद तक आज के समय में भी मिशाल कायम किये हुए हैं। ब्रिटिश उपनिवेशित भारत में अंग्रेजों के विरूद्ध अपनी लेखनी के माध्यम से भट्ट जी ने अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। वहीं रामविलास शर्मा जी उपनिवेशित भारत और उसके बाद स्वतंत्र भारत में अपनी पैनी आलोचनात्मक दृष्टि से उपनिवेश विरोधी गतिविधियों पर लेखनी चलायी है। इस प्रकार बालकृष्ण भट्ट यदि उपनिवेश विरोधी लेखन की नींव तैयार करते हैं तो रामविलास शर्मा जी उसकी भव्य इमारत।